e-ISSN:2582-7219

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

Volume 7, Issue 7, July 2024

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.521

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 7, Issue 7, July 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0707280 |

ग्रामीण पर्यटन की संभावनायें: चुनौतियाँ और समाधान

गजपाल सिंह गुर्जर

शोधार्थी (भूगोल विभाग),जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

सार: नाटक, कला रूप, नृत्य आदि जैसी अनेक स्थानीय परंपराएं ग्रामीण क्षेत्रों की सांस्कृतिक संपदा को बढ़ाती हैं, तथा इन्हें पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाती हैं। दक्षिण भारतीय गांवों में हरे-भरे जंगल, पवित्र उपवन आदि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आदर्श स्थल बनाते हैं।

I. परिचय

पर्यटन मंत्रालय के ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे (CNA- RT & RH) प्रभाग ने ग्रामीण भारत में आने के इच्छुक पर्यटकों हेतु छह विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान की है, जिनमें कृषि पर्यटन, कला एवं संस्कृति, इकोटूरिज़्म, वन्य जीवन, जनजातीय पर्यटन तथा होमस्टे शामिल हैं।[1,2,3]

पर्यटन मंत्रालय प्रतिस्पर्द्धी और स्थायी तथा ज़िम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के व्यापक लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु राज्य मूल्यांकन एवं रैंकिंग मानदंड स्थापित करने पर भी काम कर रहा है।

प्रमुख बिंदु
उद्देश्य:
इस पहल का उद्देश्य बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचे के विकास के बजाय धारणीय विकास पर ज़ोर देना है।
इसका उद्देश्य स्थानीय संसाधनों तथा गाँवों में रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देकर समुदायों को अद्वितीय जैविक अनुभव प्रदान करना है।
पर्यटन मंत्रालय बजट तैयार करने की प्रक्रिया में है, जिसमें ज़िला स्तर पर कुछ प्रशिक्षण मॉड्यूल्स 100% केंद्र द्वारा वित्तपोषित किये जाएंगे, जबकि अन्य मामलों में 60% केंद्र और 40% राज्य द्वारा वित्तपोषित होंगे।
ग्राम समूह:
लगभग पाँच से सात गाँवों के समूह/क्लस्टर चिह्नित किये जाएंगे।
ये क्लस्टर लंबी दूरी के साथ अलग-अलग गाँवों की ग्रामीण पर्यटन परियोजनाओं की तुलना में पर्यटकों को अधिक आकर्षित करेंगे।
ये शिल्प बाज़ारों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के विपणन में ग्राम समूह को सहायता प्रदान करेंगे।
ग्रामीण पर्यटन की अवधारणा:
परिचय:
भारत में ग्रामीण पर्यटन, ग्रामीण जीवन-शैली और संस्कृति की खोज तथा अनुभव पर केंद्रित है।
इसमें स्थानीय संस्कृति और जीवन के प्रति गहरी समझ विकसित करने के लिये ग्रामीण क्षेत्रों की यात्रा करना और खेती, हस्तशिल्प एवं गाँव की सैर जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेना शामिल है।

उदाहरण के लिये तमिलनाडु का कोलुक्कुमलाई विश्व का सबसे ऊँचा चाय बागान है; केरल में देवलोकम नदी के किनारे एक योग केंद्र है; नगालैंड का कोन्याक टी रिट्रीट आदि आगंतुकों/पर्यटकों को आदिवासी संस्कृति को समझने-जानने में मदद करते हैं।
विस्तार:
भारत की ग्रामीण पर्यटन क्षमता इसकी विविध और जीवंत संस्कृति, हस्तशिल्प, लोक कलाओं, त्योहारों और मेलों में निहित है।
एक अमेरिकी मार्केट रिसर्च कंपनी, ग्रैंड व्यू रिसर्च के अनुसार, कृषि-पर्यटन उद्योग वर्ष 2021 से 2030 तक 11.4% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ने की संभावना है।

महत्त्व:
ग्रामीण पर्यटन न केवल स्थानीय कला और शिल्प को नई ऊर्जा प्रदान करने के साथ व्यवहार्य पारंपरिक व्यवसायों को विस्थापित होने से रोक सकता है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों के पुनर्विकास एवं ग्रामीण जीवन को पुनः जीवंत करने, रोज़गार तथा नए व्यावसायिक अवसर पैदा करने में भी मदद करेगा।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 7, Issue 7, July 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0707280 |

लाभ:
बाह्य-प्रवासन में कमी, वैकल्पिक व्यापार के अवसरों में वृद्धि
उद्यमशीलता के दायरे में वृद्धि
गरीबी उन्मूलन में मदद
सामुदायिक सशक्तीकरण
कला और शिल्प
विरासत संरक्षण
भारत में ग्रामीण पर्यटन के लिये चुनौतियाँ:
बुनियादी ढाँचे की कमी:
ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर अच्छी सड़कों, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव होता है, इसे पर्यटकों को आकर्षित करने की दिशा में एक बाधा के रूप में देखा जाता है।

अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा भी आगंतुकों/पर्यटकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने की स्थानीय समुदायों की क्षमता को कम कर सकता है।
जागरूकता की कमी:
पर्यटकों और स्थानीय समुदायों के बीच ग्रामीण पर्यटन के बारे में जागरूकता की कमी पर्यटन क्षेत्र के विकास में बाधा उत्पन्न करती है।
बड़ी संख्या में लोग पर्यटन स्थलों के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों की क्षमता और पर्यटन से स्थानीय समुदायों को होने वाले लाभों से अनजान हैं।

निम्न आय और बेरोज़गारी:
ग्रामीण क्षेत्र अधिकांशतः निम्न-आय स्तर और उच्च बेरोज़गारी दर से पीड़ित होते हैं।
इससे स्थानीय समुदायों के लिये पर्यटन के बुनियादी ढाँचे में निवेश करना और आगंतुकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करना मुश्किल हो सकता है।[4,5,6]

पारिस्थितिकी के लिये खतरा:
यदि इसे ठीक से प्रबंधित नहीं किया गया, तो ग्रामीण पर्यटन में स्थानीय समुदायों और पर्यावरण को नुकसान होने की संभावना है।
भीड़भाड़, प्रदूषण और प्राकृतिक आवासों का विनाश स्थानीय पारिस्थितिकी तथा संस्कृति को नुकसान पहुँचा सकता है, जो लंबे समय तक आगंतुकों को यहाँ आने से रोक सकता है।

सुरक्षा चिंताएँ:
उचित सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों में असुरक्षित महसूस कर सकते हैं, जिससे पर्यटन अनुभव और गंतव्य के प्रति नकारात्मक छवि बन जाती है।

संबंधित पहल:
सरकार ग्रामीण पर्यटन स्थलों के रूप में विकास के लिये परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) और मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट इन नॉर्थ ईस्ट रीजन (MOVCD-NER) के तहत विकसित जैविक कृषि क्षेत्रों की खोज कर रही है।

देश भर से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव का चयन करने और देश में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये हाल ही में बेस्ट टूरिज़्म विलेज कॉम्पिटिशन पोर्टल लॉन्च किया गया।

'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता' तीन चरणों में आयोजित की जाएगी और इसके लिये ज़िला स्तर, राज्य स्तर और अंत में राष्ट्रीय स्तर पर प्रविष्टियाँ मांगी जाएंगी।
पर्यटन मंत्रालय ने देश की विभिन्न पर्यटन पेशकशों को उजागर करने और उन्हें वैश्विक पर्यटकों के सामने प्रदर्शित करने के लिये भारत में आने वाले यात्रियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विज़िट इंडिया ईयर- 2021 की शुरुआत की है।

'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्द्धन अभियान' (National Mission on Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Heritage Augmentation Drive- PRASHAD) को पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015 में लॉन्च किया गया था।
अभी तक प्रसाद (PRASHAD) योजना के तहत 1586.10 करोड़ रुपए की कुल 45 परियोजनाओं को मंज़ूरी दी जा चुकी है।
वर्ष 2014-15 में आरंभ स्वदेश दर्शन योजना देश में थीम-आधारित पर्यटन सर्किट के एकीकृत विकास पर ध्यान केंद्रित करती है।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 7, Issue 7, July 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0707280 |

थीम- इको, हेरिटेज, हिमालयन एवं तटीय सर्किट आदि जैसे विभिन्न विषयों के तहत 5315.59 करोड़ रुपए की राशि के साथ 76 परियोजनाएँ मंज़ूर की [7,8,9]गई थीं।

ग्रामीण पर्यटन स्थल विशिष्ट रूप से उन क्षेत्रों के नज़दीक होने चाहिये जहाँ लोग आमतौर आवागमन करते हैं।
ग्रामीण पर्यटन के लिये विकसित किये जाने वाले गंतव्यों के चयन हेतु गंतव्यों तक पहुँच पहला मानदंड होना चाहिये।
गंतव्यों का प्रचार-प्रसार कारीगरों को अपने उत्पादों को बेहतर ढंग से बेचने में मदद करेगा और पर्यटकों की संख्या बढ़ाने हेतु परियोजना के उचित पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है।

पर्यटन से उत्पन्न आय का उपयोग कला, नृत्य और लोकगीतों के जातीय रूपों के संरक्षण में किया जा सकता है। यह ग्रामीण लोगों के हितों की रक्षा करेगा तथा घरों से मीलों दूर जाकर आजीविका कमाने के उनके दबाव को कम करेगा।

II. विचार-विमर्श

ग्रामीण पर्यटन एक ऐसी गतिविधि है जो गैर-शहरी क्षेत्रों में होती है जो ग्रामीण स्थानों पर कला, संस्कृति, विरासत और मूल जीवन को प्रदर्शित करती है। ऐसी गतिविधियाँ जिसमें आगंतुक प्रकृति और कृषि से जुड़े उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला का अनुभव करते हैं जैसे खेती, मत्स्य पालन, शिल्प और ग्रामीण जीवन शैली के विभिन्न पहलू।

ग्रामीण पर्यटन गतिविधियां कम जनसंख्या घनत्व वाले ग्रामीण क्षेत्रों, कृषि, वानिकी, पारंपरिक और सामाजिक संरचना, ग्रामीण जीवन शैली, विरासत, प्रकृति आदि पर केंद्रित होती हैं।

भारत का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण है और एक बड़ी आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है। भारत में ग्रामीण जीवन ही वह जगह है जहाँ आप असली भारत से मिलते हैं। इसलिए, ग्रामीण पर्यटन में ग्रामीण भारत की आर्थिक वृद्धि और सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करने की उच्च क्षमता है, क्योंकि यह अन्य गतिविधियों जैसे कि नौकरियों का सृजन और प्रतिधारण, नए व्यावसायिक अवसरों का निर्माण, स्थानीय कला और शिल्प को पुनर्जीवित करना "आत्मनिर्भर भारत" के दृष्टिकोण और "वोकल फॉर लोकल" के मंत्र के साथ जुड़ा हुआ है।

दृष्टि
भारत की ग्रामीण विरासत का लाभ उठाकर एक जीवंत और जिम्मेदार पर्यटन खंड का निर्माण करना, जिससे आकर्षक ग्रामीण अनुभव पैदा हो और स्वदेशी नौकरियों को बढ़ावा मिले तथा स्थानीय संस्कृति और विरासत का संरक्षण हो।

उद्देश्य
देश में ग्रामीण पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए सरकार, उद्योग, गैर सरकारी संगठन, समुदाय को शामिल करते हुए एक सक्षम वातावरण की सुविधा प्रदान करना।

उद्देश्य
- ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए रणनीतियों की पहचान[10,11,12] करना और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करना
- देश में ग्रामीण पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए केंद्रीय और राज्य कार्यक्रमों में तालमेल और अभिसरण लाना।
- प्रासंगिक हितधारकों के बीच ग्रामीण पर्यटन विकास पहलों के समन्वय को सुविधाजनक बनाना
- पर्यटन विकास के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वोत्तम प्रथाओं, विकास के अवसरों और चुनौतियों के ज्ञान को साझा करने के लिए एक मंच तैयार करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन विकास के लिए रणनीतिक क्षेत्र समूहों की पहचान करना और सिफारिश करना।
- प्रमुख रणनीतिक स्तंभ
- प्राकृतिक पर्यटन के लिए आदर्श नीतियां और सर्वोत्तम प्रथाएं।
- ग्रामीण पर्यटन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियां और प्लेटफॉर्म
- ग्रामीण पर्यटन के लिए क्लस्टर विकसित करना
- नूरल पर्यटन के लिए विपणन सहायता
- हितधारकों की क्षमता निर्माण
- शासन और संस्थागत ढांचा

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 7, Issue 7, July 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0707280 |

III. परिणाम

ग्रामीण पर्यटन का मतलब है कम आबादी वाले गैर-शहरी स्थानों की यात्रा करना। स्थानीय समुदायों से जुड़ने, उनका समर्थन करने और उनकी स्थानीय संस्कृति में खुद को डुबोने का एक अविश्वसनीय मौका।
यात्रा करने का एक वास्तविक और प्रामाणिक तरीका, ग्रामीण पर्यटन बढ़ रहा है, क्योंकि अधिक लोग शांति और अद्वितीय यात्रा अनुभव की तलाश में हैं।

ग्रामीण पर्यटन क्या है और इसके क्या लाभ हैं?
ग्रामीण पर्यटन, पर्यटन का एक ऐसा रूप है जो शहरी भ्रमण और लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों से कहीं आगे जाता है।
ग्रामीण पर्यटन प्राकृतिक स्थानों की यात्रा है जो गैर-शहरीकृत हैं, अक्सर कृषि पर निर्भर हैं और कम आबादी वाले हैं , जैसे गांव और कॉटेज, होमस्टे, फार्म और फार्म या इको लॉज।
ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा करते समय संभावित गतिविधियों में कैम्पिंग, पैदल यात्रा, आउटडोर खेल और प्रकृति के साथ समय बिताना शामिल है।

यह नैतिक और टिकाऊ पर्यटन, आम रास्तों से हटकर यात्रा करने , बाहरी गतिविधियों और खेलों तथा प्रकृति में समय बिताने से संबंधित है । इसमें यात्रा को अधिक जिम्मेदाराना और अनुभव में समृद्ध बनाने की बहुत संभावना है।
ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा करते समय यात्री को स्थानीय जीवन को करीब से देखने, भीड़-भाड़ और पर्यटन से दूर रहने तथा बाहरी वातावरण के लाभों को समझने का मौका मिलता है।

विकासशील देशों में ग्रामीण पर्यटन का बहुत महत्व है। यह ग्रामीण, [11,12,13]अन्यथा गैर-पर्यटन, दूरदराज के स्थानों में रहने वाले परिवारों को सीधे लाभ पहुंचाता है। यह विकास के अवसर भी लाता है। विकसित देशों में यह व्यस्त जीवन से विश्राम और आराम का अवसर देता है । किसी भी देश में, यह अत्यधिक पर्यटन के बुरे प्रभावों को कम करने में मदद करता है।

पारिस्थितिकी पर्यटन
यह प्राकृतिक क्षेत्रों की यात्रा है, जिसमें हमें टिकाऊ, जिम्मेदार और मेजबान समुदाय तथा ग्रह पर पड़ने वाले अपने प्रभाव के प्रति सचेत रहना है।

इस प्रकार की यात्रा में इको लॉज या इको होटल या अन्य आवासों में रहना शामिल है जो नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करते हैं।
यह गैर-शहरी स्थानों जैसे पहाड़ों, जंगलों या समुद्र के किनारे पर होता है , पारिस्थितिकी पर्यटन प्रकृति से जुड़ने और सामान्य रास्ते से हटकर यात्रा करने का एक शानदार अवसर है।

यह उन सभी लोगों के लिए एक बढ़िया विकल्प है जो ग्रह के बारे में चिंता करते हैं और जितना संभव हो सके उतना कम नकारात्मक प्रभाव छोड़ने का प्रयास करते हैं।

समुदाय आधारित पर्यटन
सामुदायिक पर्यटन का उद्देश्य स्थानीय लोगों के साथ समय बिताना है। यह ग्रामीण इलाकों में गेस्टहाउस में रहकर हासिल किया जाता है , अक्सर ऐसे परिवारों के साथ जो वंचित या/और हाशिए पर होते हैं।

इससे दोनों पक्षों के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान संभव होता है। समुदाय आधारित पर्यटन मेजबानों के लिए एक बेहतरीन अवधारणा है, क्योंकि यह न केवल उन्हें दुनिया भर के लोगों के साथ संबंध बनाकर अपने क्षितिज को व्यापक बनाने की अनुमति देता है, बल्कि रोजगार भी पैदा करता है और समाज को नए कौशल और भाषाएँ सीखने के लिए प्रेरित करता है।

इस परिदृश्य में, पर्यटकों से कमाया गया धन समुदाय में ही रहता है और विकास तथा अन्य परियोजनाओं के लिए उपयोग किया जाता है, जिससे पूरे समुदाय को लाभ होगा।
पर्यावरण स्वयंसेवक पर्यटन
पर्यावरण स्वयंसेवक होने का मतलब है धरती को कुछ वापस देना। इसमें बागवानी, पौधे या पेड़ लगाना, संरक्षण, जैविक निर्माण, सफाई और पुनर्चक्रण आदि शामिल हो सकते हैं।
एक पर्यावरण स्वयंसेवक सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है और उनकी पर्यावरण चेतना का विस्तार करता है। सभी प्रकृति प्रेमियों के लिए एकदम सही अवधारणा।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 7, Issue 7, July 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0707280 |

वर्ल्डपैकर्स के साथ स्वयंसेवा करना एक अच्छी शुरुआत है, क्योंकि यदि आपको बागवानी का ज्यादा अनुभव नहीं भी है तो भी आप परियोजनाओं में शामिल हो सकते हैं, और काम करते हुए आप सीखेंगे!
वर्ल्डपैकर्स के अनुभव के बारे में अधिक जानने के लिए यह लेख पढ़ें ।
आउटडोर खेल पर्यटन [14,15,16]
आउटडोर साहसिक पर्यटन गैर-शहरीकृत क्षेत्रों जैसे पहाड़ों, झीलों, नदियों, रेगिस्तानों या अन्य सुदूर स्थानों पर होता है।
आउटडोर कई अलग-अलग गतिविधियों की पेशकश करता है जैसे: ग्रामीण इलाकों में बाइकपैकिंग छुट्टियां , पहाड़ों में बहु-दिवसीय पैदल यात्राएं, चट्टान चढ़ाई, ज्वालामुखी की चोटी पर चढ़ना , कायाकिंग, राफ्टिंग और कई, कई अन्य!
यह ग्रामीण पर्यटन का एक प्रकार है जो अधिक सक्रिय होने, अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने और नई चीजों को आजमाने का एक शानदार तरीका है!
अपने अगले साहसिक कार्य की तैयारी कैसे करें, यह जानने के लिए यह लेख पढ़ें !
ग्रामीण पर्यटन के लिए कहां जाएं?
स्थानीय जीवन को वास्तव में जानने के लिए , अधिक समय तक वहां रहने और वर्ल्डपैकर्स के साथ स्वयंसेवा करने पर विचार करें ।
यह वास्तव में उस स्थान को जानने, स्थानीय लोगों की तरह रहने, अपने मेजबान परिवार का हिस्सा बनने, स्थानीय संस्कृति और इतिहास के बारे में अधिक जानने और नए कौशल सीखने का एक अविश्वसनीय अवसर है!

यूनाइटेड किंगडम
15 राष्ट्रीय उद्यानों और 38 एओएनबी के साथ , यूनाइटेड किंगडम ग्रामीण पर्यटन के लिए आदर्श स्थान है ।
हर पार्क में एडवेंचर स्पोर्ट्स का अभ्यास करने के अवसर हैं। यूके का राष्ट्रीय साइकिल नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है और कई ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच की अनुमति देता है जो संस्कृति, इतिहास और अद्भुत, अद्वितीय परिदृश्यों से समृद्ध हैं। ब्रिटिश ग्रामीण इलाके छोटे-छोटे गाँवों से भरे हुए हैं जहाँ गर्मजोशी और स्वागत करने वाले समुदाय हैं।

यूनाइटेड किंगडम में सौ से ज़्यादा स्वयंसेवी अवसर उपलब्ध हैं ! इसमें इंग्लैंड , वेल्स , स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड शामिल हैं !

- यदि आपको स्कॉटिश ग्रामीण गांव में बागवानी के काम के बदले एक महीना रहना एक सपने जैसा लगता है, तो आज ही आवेदन करने पर विचार करें!
- यदि आप पशु प्रेमी हैं और वेल्स में स्थानीय जीवन का पता लगाना चाहते हैं तो आप इस छोटे और शाकाहारी पशु अभयारण्य में मदद कर सकते हैं।
- जो लोग पर्माकल्चर और प्राकृतिक खेती के बारे में अधिक जानने के लिए प्रेरित हैं, और छोटे जानवरों की देखभाल करना चाहते हैं, वे उत्तरी आयरलैंड में इस अनुभव के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह परियोजना आपकी पर्यावरण चेतना का विस्तार करेगी और आपको स्थानीय संस्कृति और ग्रामीण उत्तरी आयरलैंड के छोटे, गर्म समुदायों में डूबने की अनुमति देगी ।
- ऐसे लोगों के लिए भी अवसर उपलब्ध हैं जो सामाजिक होना पसंद करते हैं और लोगों के साथ काम करना पसंद करते हैं। इंग्लैंड के न्यू फॉरेस्ट नेशनल पार्क में स्थित यह होटल ऐसे स्वयंसेवकों की तलाश कर रहा है जो अपने मेहमानों की देखभाल करेंगे। यह अवसर उन यात्रियों के लिए बहुत बढ़िया है जो स्थानीय लोगों से जुड़ना पसंद करते हैं या अपनी अंग्रेजी सुधारना चाहते हैं।

भारत
देश का 64.61% भाग ग्रामीण माना जाता है, इसलिए भारत ग्रामीण पर्यटन के लिए एक और बेहतरीन गंतव्य है।
ग्रामीण भारत में यात्रा करना एक प्रामाणिक और वास्तविक यात्रा है। यह वह जगह है जहाँ एक यात्री वास्तव में स्थानीय जीवन को देख सकता है। भारत में जीवन और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले भारतीयों के संघर्षों के बारे में अधिक जानें, जो अक्सर दुर्भाग्य से गरीबी से प्रभावित होते हैं। भारत में वर्ल्डपैकर्स के साथ स्वयंसेवा करके स्थानीय समुदायों या ग्रह की मदद करने के लिए अपना कुछ समय बलिदान करें ।[17,18,19]

- चाय के बागानों और पहाड़ियों के बीच में रहें और भारत के सभी उम्र के वंचित लोगों के लिए एक चैरिटी होम में अपना समय बिताएं। स्वयंसेवक के काम में बागवानी, पानी देना, पढ़ाना, घर की सफाई या नर्सिंग शामिल है।
- स्थानीय एनजीओ के साथ स्वयंसेवा करते हुए ग्रामीण भारतीय हिमालय का अन्वेषण करें । ग्रामीण सामाजिक उत्थान संगठन में स्वयंसेवा करते समय आपको क्षेत्र की वंचित आबादी के स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार करने का मौका मिलेगा ।
- अगर आप चाय के बागानों, कॉफी बीन्स, काली मिर्च, इलायची और फलों से भरे खेतों में रहते हुए संधारणीय जीवन के बारे में अधिक जानना चाहते हैं , तो ग्रामीण भारत में इस अवसर पर विचार करें। यह उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो शांति और सुकून पसंद करते हैं और प्रकृति में समय बिताना पसंद करते हैं।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 7, Issue 7, July 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0707280 |

यूएसए
संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया के कुछ सबसे लोकप्रिय और सबसे खूबसूरत राष्ट्रीय उद्यानों का घर है । कुल 63 राष्ट्रीय उद्यानों और कई ग्रामीण राज्यों के साथ, संयुक्त राज्य अमेरिका ग्रामीण पर्यटन और एक ही समय में स्वयंसेवक बनने के अवसरों से भरा हुआ देश है।

- आप अलास्का की मटानुस्का घाटी में जैविक खेती करके अपना समय बिता सकते हैं। यह इस ग्रामीण राज्य का एक अविश्वसनीय रूप से सुंदर हिस्सा है, और यह परियोजना आपको प्रकृति से जुड़ने और अपनी पर्यावरणीय चेतना का विस्तार करने की अनुमति देगी ।
- अगर आप गर्म रहना पसंद करते हैं, तो आप एरिजोना रेगिस्तान में बागवानी में मदद कर सकते हैं। यह गतिविधि बदलती जलवायु के प्रभावों को कम करने में मदद करती है।
- 'वाइल्ड वेस्ट' का अनुभव लें और टेक्सास के एक खेत में दैनिक गतिविधियों में मदद करें। गतिविधियों में जानवरों की देखभाल करना, भोजन उगाना और स्थानीय परिवार के साथ रहना शामिल है।
- अगर आपका सपना खूबसूरत हवाई राज्य की खोज करना है, तो आपको हवाई में एक संधारणीय और जैविक खेत पर खेती में सहायक बनने पर विचार करना चाहिए। संधारणीयता के बारे में अधिक जानने, प्रकृति से जुड़ने और बजट पर हवाई की खोज करने का एक शानदार अवसर ।
- ओहियो के एक छोटे से गांव में स्वयंसेवा करते हुए पुनर्योजी खेती, वृक्षारोपण और बागवानी के बारे में अधिक जानें। प्रकृति को वापस देने और स्थानीय समुदायों से जुड़ने का यह एक शानदार तरीका है।

इस लेख में वर्क एक्सचेंजर के रूप में अमेरिका में यात्रा के अनुभव के बारे में पढ़ें ।
यहां मैंने ब्रिटेन, भारत और अमेरिका में उपलब्ध कुछ अवसरों का उल्लेख किया है, लेकिन दुनिया भर में ग्रामीण पर्यटन की अनेक परियोजनाएं हैं जिनमें स्वयंसेवक के रूप में भाग लिया जा सकता है ।

ग्रामीण पर्यटन, जब अच्छी तरह से प्रबंधित किया जाए, तो स्थानीय समुदायों और यात्रियों के लिए वास्तव में सफल और लाभकारी हो सकता है। हालाँकि, ग्रामीण पर्यटन के कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं जिनका उल्लेख करना ज़रूरी है।

कुछ क्षेत्र पर्यटकों की मेजबानी के लिए पर्याप्त रूप से तैयार या शिक्षित नहीं हैं। इससे पर्यावरण या समुदायों को सीधे नुकसान हो सकता है। ग्रामीण पर्यटन का सबसे परेशान करने वाला नकारात्मक प्रभाव यह है कि इससे स्थानीय समुदायों के लिए आवास की कीमतें और अन्य जीवन-यापन लागत बढ़ सकती है। यदि इसे खराब तरीके से प्रबंधित किया जाता है, तो इससे भीड़भाड़ हो सकती है और प्राकृतिक क्षेत्र को नुकसान हो सकता है।
उम्मीद है कि इस लेख ने आपको अपने क्षितिज को व्यापक बनाने और पर्यटक मार्ग से आगे जाने के लिए प्रेरित किया है। एक ईमानदार यात्री बनें और वर्ल्डपैकर्स के साथ स्वयंसेवा करके अपनी अगली यात्रा पर ग्रह और मेजबानों को कुछ वापस दें।
वर्ल्डपैकर्स समुदाय की निःशुल्क सदस्यता लें और अपने पसंदीदा स्वयंसेवक पदों को तब तक सहेजना शुरू करें जब तक आप सत्यापित होने के लिए तैयार न हो जाएं।

IV. निष्कर्ष

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य बजट में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना' की घोषणा की है।
- योजना के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में पर्यटन स्थापना स्थापित करने से लेकर स्थानीय लोक कला को प्रोत्साहन और हस्तशिल्प का संरक्षण किया जाएगा। इससे ग्रामीण इलाकों में स्थानीय लोगों को रोज़गार के अवसर भी मुफ़्त में उपलब्ध होते हैं।
- 'राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना'के तहत ग्रामीण पर्यटन इकाइयों को देय लाभ-
    - स्टाम्प कर्तव्य में 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। शुरूआत में 25 प्रतिशत स्टाम्प कर्तव्य देय होगी, पर्यटन इकाई का साक्ष्य-पत्र प्रस्तुत करने पर पुनर्भरण शुरू हो जाएगा।
    - देय एवं जमा एसजीएसटी का 10 वर्ष से 100 प्रतिशत पुनर्भरण।
    - 'मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत 25 लाख रुपए तक के ऋण पर 8 प्रतिशत स्थान पर 9 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जाएगा।
    - ग्रामीण पर्यटन[19,20] इकाइयों को भू-संपरिवर्तन एवं बिल्डिंग प्लैटिनम की सजावट नहीं होगी।
    - वन विभाग के अधीन क्षेत्र में ग्रामीण पर्यटन का प्रोत्साहन राज्य इको टूर पर्यटन संग्रहालय, 2021 के अनुसार।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 7, Issue 7, July 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0707280 |

  - स्थानीय लोक कलाकारों और हस्तशिल्पियों और ग्रामीण कलाकारों को मंज़ूरी और भव्य वास्तुशिल्पियों में संस्थागत रूप दिया जाएगा।
- 'राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना' की सुविधाएँ-
  - ग्रामीण अतिथि गृह: ग्रामीण क्षेत्र में अतिथि गृह पंजीकृत रहेंगे, जिनमें 6-10 कमरे होंगे। ये कोठार के गोदाम किराए पर उपलब्ध होंगे। गेस्ट हाउस में रेस्तरां के भोजन की व्यवस्था भी होगी।
  - कृषि पर्यटन इकाई: कृषि भूमि पर पर्यटन इकाई न्यूनतम 2,000 वर्ग मीटर एवं अधिकतम 2 हेक्टेयर पर स्थापित होगी। इसके 90 प्रतिशत भाग में कृषि और बागवानी कार्य, ऊट फार्म, फार्म, पक्षी एवं पशु धन, फासल हड्डी के लिए, हस्टशिल्प, प्राचीन आदि क्षेत्र के क्षेत्र द्वारा ग्रामीण परिवेश उपलब्ध होंगे।
  - कैंपिंग साइट: कृषि भूमि पर न्यूनतम 1,000 वर्ग मीटर एवं अधिकांश एक हेक्टेयर पर कैंपिंग साइट स्थापित हो। इसके 10 प्रतिशत भाग में रेस्तरां में लघु आवास की व्यवस्था होगी। शेष भाग में ऊँट फार्म, घोड़ा फार्म, पशुधन, छात्रावास आदि सामान्यतः शामिल हैं।
  - कैरवेन पार्क: न्यूनतम 1,000 वर्ग मीटर एवं अधिकांश 1 हेक्टेयर पर कृषि भूमि कैरवेन पार्क पर स्थापित होल। इस पर सुपरमार्केट के वाहन पार्क में जाने के अवसर का विकास होगा।
  - होम स्टे (पेइंग गेस्ट हाउस): पर्यटन विभाग द्वारा पूर्व में जारी होम स्टे (पेइंग गेस्ट हाउस) स्कॉटलैंड ग्रामीण क्षेत्र में भी लागू है। इसके तहत आवास मालिक द्वारा स्वयं के आवास में 5 स्टूडियो तक आवास सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।
- उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण गेस्ट हाउस, कृषि पर्यटन इकाई, कैंपिंग साइट, कैरवेन पार्क का प्रोजेक्ट और राष्ट्रीय पर्यटन विभाग के संबद्ध पर्यटन स्वागत केंद्र शामिल होंगे। साथ ही ग्रामीण पर्यटन इकाइयों के लिए 15 फीट चौड़ी सड़क की आवश्यकता होगी।[20]

संदर्भ

1. "ग्रामीण पर्यटन" (फरवरी 2008)। यूएसडीए सहकारी राज्य, शिक्षा और विस्तार सेवा। 30 दिसंबर 2008 को पुनःप्राप्त।
2. ^ [2] विल्करसन, चाड (2003)। "यात्रा और पर्यटन: अमेरिका और दसवें जिले में एक अनदेखा उद्योग।" आर्थिक समीक्षा, तीसरी तिमाही 2003। कंसासमें फेडरल रिजर्व बोर्ड । 30 दिसंबर, 2008 को पुनःप्राप्त।
3. ^ [3] "आर्थिक शोध: यात्रा और पर्यटन का आर्थिक प्रभाव।" (2004)। ट्रैवल इंडस्ट्री एसोसिएशन ऑफ अमेरिका। 30 दिसंबर, 2008 को पुनःप्राप्त।
4. ^ "ग्रामीण सूचना केंद्र: ग्रामीण अमेरिका में पर्यटन को बढ़ावा देना" । से संग्रहित है असली 2008-12-18 को । पुनः प्राप्त किया 2008-12-30 .जॉन, पेट्रीसिया लाकेल (2008)। ग्रामीण अमेरिका में पर्यटन को बढ़ावा देना। राष्ट्रीय कृषि पुस्तकालय , ग्रामीण सूचना केंद्र। 30 दिसंबर, 2008 को पुनःप्राप्त।
5. ^ [ए बी]यहाँ जाएं: चेत्विक, अनात; फ्लेशर, अलीज़ा; फ़िंकेलशटेन, इज़राइल (2006)। "ग्रामीण पर्यटन: विकास, सार्वजनिक हस्तक्षेप और इज़राइली अनुभव से सबक" (पीडीएफ) । यरुशलम का हिब्रू विश्वविद्यालय, कृषि अर्थशास्त्र और प्रबंधन विभाग । कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्र । 28 जुलाई 2021 को लिया गया ।
6. ↑ इंटरनेशनल इकोटूरिज्म सोसाइटी. 2014. ऑनलाइन. http://www.ecotourism.org
7. ^ [ए बी]यहाँ जाएं: अलोमारी, थबिट। वॉलंटूरिज्म की प्रेरणा और सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता। एमए यूनिवर्सिटी ऑफ लेथब्रिज (कनाडा), 2012 कनाडा।
8. ^ [ए बी]यहाँ जाएं: राजन, ब्रिलियंट, विंसी मैरी वर्गीस, और अनक्कथिल पुरुषोत्तमन प्रदीपकुमार। "भारत के दक्षिण पश्चिमी तट में सतत पर्यटन विकास के लिए समुद्र तट वहन क्षमता विश्लेषण।" पर्यावरण अनुसंधान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन, 2013. 1(63): 67-73।
9. ^ [ए बी सी]यहाँ जाएं: कॉक्स, रेचल एस. "इकोटूरिज्म।" सीक्यू रिसर्चर 16.37 (2006): 865-88.
10. ↑ लिंडसे, हीदर. "इकोटूरिज्म: पर्यावरण-उन्मुख यात्रा का वादा और खतरे." प्रोकेस्ट. फरवरी 2003. ऑनलाइन.
11. ^ ली, यिपिंग. "स्थितीय शिक्षण, जिम्मेदार पर्यटन और वैश्विक शांति." शांति अनुसंधान 30.4 (1998): 83-100.
12. ^ मोस्कार्डो, जी. पर्यटन विकास के लिए सामुदायिक क्षमता का निर्माण। वॉलिंगफ़ोर्ड, ऑक्सन, जीबीआर: सीएबीआई प्रकाशन, 2008. . इब्रेरी।
13. ^ [ए बी]यहाँ जाएं: वेस्ट, पैगे, जेम्स जी कैरियर, 2004. इकोटूरिज्म और प्रामाणिकता: इससे दूर होना? वर्तमान नृविज्ञान। 45(4): 483 – 498.
14. ↑ जोन्स, सामंथा. "समुदाय-आधारित इकोटूरिज्म: सामाजिक पूंजी का महत्व." पर्यटन अनुसंधान के इतिहास 32.2 (2005): 303-24.
15. ^ पेंटिया, मारिया-कारमेन। "क्रॉस-नेशनल वॉलंटियरिंग में युवा लोग: अन्याय की धारणाएँ।" जर्नल ऑफ़ सोशल एंड पर्सनल रिलेशनशिप.30 (अगस्त 2013): 564-681।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal|

| Volume 7, Issue 7, July 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0707280 |

16. ^ कोरिया, जेसिका, एनरिक कैलफुकुरा। "पारिस्थितिकी पर्यटन और स्वदेशी समुदायों का विकास: अच्छा, बुरा और बदसूरत।" यूनिवर्सिटी ऑफ गोथेनबर्ग स्कूल ऑफ बिजनेस, इकोनॉमिक्स एंड लॉ, 2011।
17. ^ [ए बी सी]यहाँ जाएं: हनी, मार्था. इकोटूरिज्म और सस्टेनेबल डेवलपमेंट: हू ओन्स पैराडाइज़? (दूसरा संस्करण). वाशिंगटन डीसी, यूएसए: आइलैंड प्रेस, 2008. . इब्रेरी.
18. ^ स्ट्रोन्ज़ा, अमांडा, और जेवियर गोर्डिल्लो। "ईकोटूरिज्म के बारे में सामुदायिक दृष्टिकोण।" एनल्स ऑफ़ टूरिज्म रिसर्च 35.2 (2008): 448-68।
19. ↑ चिउ, येन-टिंग हेलेना, वान-आई ली, और त्सुंग-हसिउंग चेन। "इकोटूरिज्म में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार: पूर्ववृत्त और निहितार्थ।" पर्यटन प्रबंधन 40.0 (2014): 321-9।
20. ^ वूसनम, काइल एम., और यूं जंग ली। "वॉलंटूरिज्म रिसर्च में सोशल डिस्टेंस को लागू करना।" एनल्स ऑफ टूरिज्म रिसर्च 38.1 (2011): 309-13।

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

| Mobile No: +91-6381907438 | Whatsapp: +91-6381907438 | ijmrset@gmail.com |

www.ijmrset.com